



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

सिमला, शुक्रवार, 23 सितम्बर, 2005/1 अश्विन, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

परिग्रह विभाग

अधिसूचना

सिमला-2, 14 सितम्बर, 2005

संख्या टी०पी०टी०एफ०(६)२/२०००.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, १९७२ (१९७३ का ४) की धारा १७ की उप-धारा (४) और (६) के साथ पट्टि धारा २१ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या ६-२/७३-टी०पी०टी०, तारीख २० जुलाई, १९७४ द्वारा राजपत्र (असाधारण), हिमाचल प्रदेश तारीख ७ अगस्त, १९७४ में प्रकाशित हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान नियम, १९७४ का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं और इन्हें एतद्वारा जनमाधारण की सामान्य सूचना के लिए राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित करने हैं;

इन नियमों से सम्भाव्य प्रभावित होने वाला कोई भी व्यक्ति, जो इन नियमों से सम्बन्धित कोई आक्षेप(यों) सुझाव(यों) देना चाहता है, तो वह इसे/इन्हें इन नियमों के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित

होने की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर, प्रधान सचिव (परिवहन), हिमाचल प्रदेश सरकार आर्मजडेल भवन (हिमाचल प्रदेश सचिवालय), शिमला-2 को भेज सकेगा;

उपरोक्त नियत अवधि के भीतर प्राप्त आक्षेप(ों) या सुझाव(ों), यदि कोई हों, पर प्रारूप नियमों को अंतिम रूप देने से पूर्व प्रधान सचिव (परिवहन), हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा विचार किया जाएगा, अर्थात् :—

प्रारूप नियम

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (प्रथम संशोधन) नियम, 2005 है।

2. नियम-4 का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान नियम, 1974 के विद्यमान नियम 4-क के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“4-क. कर के संदाय में विलम्ब के लिए शास्ति.—यदि मोटरयान का स्वामी अधिनियम की धारा 3 के अधीन देय कर का संदाय, उक्त नियमों के नियम 4 में विनिर्दिष्ट समय के भीतर या अधिनियम को धारा 3-क के अधीन धारा 3-क की उप-धारा (2) के उपावर्धों के अनुसार अधिसूचित विनिर्दिष्ट तारीख तक करने में असफल रहता है तो कराधायक प्राधिकारी सुनवाई का युक्ति-युक्त अवसर देने के पश्चात्, स्वामी को शास्ति को, उससे देय कर के 25 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से, संदत करने के निर्देश देगा :

परन्तु यह कि इस प्रकार उद्गृहीत शास्ति दिन-प्रतिदिन के आधार पर आनुपातिक रूप में परि-
वर्धित/संगणित की जाएगी, यदि विलम्ब अवधि एक वर्ष से कम है और यह ऐसे स्वामी से
शास्ति को संगणना के समय पर देय कर की राशि से अधिक नहीं होगी :

परन्तु यह और भी कि शास्ति प्रत्येक मास की 16 तारीख को संगणित की जाएगी जो कि शास्ति
के परिकलन के प्रयोजन के लिए परिनिश्चित समय बिन्दु होगी और शास्ति की उपरी सीमा,
शास्ति की संगणना की तारीख को देय कर का संचयी बकाया होगी।”

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव।

[Authoritative English Text of Transport Department Notification No. TPT-F(6) 2/2000, dated 14-9-2005, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

TRANSPORT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 14th September, 2005

No. TPT-F(6) 2/2000 —In exercise of the powers conferred by Section 21 read with sub-sections (4) and (6) of Section 17 of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation Act 1972 (Act No. 4 of 1973), the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following

rules further to amend the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation Rules, 1974, published in Rajpatra (Extra Ordinary), Himachal Pradesh, dated 7th August, 1974 *vide* this department notification No. 5-2/73-TPT, dated the 20th July, 1974 and the same are hereby published in the Rajpatra, Himachal Pradesh for general information of the public;

If any person likely to be affected by these rules has any objection(s) or suggestion(s) to make with regard to these rules, he/she may send the same to the Principal Secretary (Transport) to the Government of Himachal Pradesh, Armsdale Building, Shimla-171002, within a period of thirty days from the date of publication of these rules in the Rajpatra, Himachal Pradesh;

Objection(s) or Suggestion(s) if any received within the above stipulated period, shall be considered by the Principal Secretary (Transport) to the Government of Himachal Pradesh before finalising the draft rules, namely:—

DRAFT RULES

1. *Short title.*—These rules shall be called the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation (First Amendment) Rules, 2005.

2. *Amendment to Rule 4-A.*—For the existing rule 4-A of the Himachal Pradesh Motor Vehicles Taxation Rules, 1974, the following shall be substituted, namely:—

“4-A. *Penalty for delay in payment of tax.*—If the owner of the motor vehicle falls to pay the tax due under section 3 of the Act, within the time specified in rule 4 of these rules or under section 3-A of the Act by the specified date notified as per provisions of sub section (2) of section 3 A of this Act, the taxation authority after giving opportunity of being heard, shall direct the owner to pay the penalty at the rate of 25 per cent per annum of the Tax due from him :

Provided that penalty so levied shall be calculated/computed proportionately on day-to-day basis in case the delay period is less than one year and it shall not exceed the sum of tax due from such owner at the time of computing the penalty :

Provided further that the penalty shall be computed on the 16th day of every month which shall be the defined point of time for the purpose of calculating the penalty and the upper ceiling of penalty shall be the cumulative arrears of tax due on the date of computation of penalty.”

By order,

Sd -
Principal Secretary.

